Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

165, South Avenue,
New Delhi - 110 011
Ph.: 011-23794010
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

' Vraj ', Opp. HDFC Bank,
Beside Chandanbala Tower,
Nr. Suvidha Shopping Centre,
Paldi, Ahmedabad - 380 007

मीडिया रीलिज

सोमालिया के समुद्री डकैत गंभीर चिन्ता का विषय है सरकार तटीय सुरक्षा सुद्रढ बना रही है : अन्टनी

अगस्ट 17, 2011 : राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी ने आज गृह में सोमालिया के समुद्री डकैत का मुद्दा उठाते हुए सवाल उठाया की सोमालिया के समुद्री डाकू की अतिक्रमण रोकने के लिए सरकार ने खास करके गुजरात तट के लिए क्या कदम उठाए है। केन्द के रक्षा मंत्री श्री ए. के. अन्टनी ने प्रत्युत्तर में बताया की पिछले कुछ वर्षों में सोमालिया के तट पर समुद्र डकैती की घटनाएं बड़ी तेजी से बढ़ी हैं और यह गंभीर चिन्ता का विषय बन गई है।

मंत्रीश्री ने अपने प्रत्युतर में स्वीकार किया की कुछ समय पूर्व लक्षद्वीप और मिनिकाय द्वीपों पर अरब सागर में समुद्री डकैती के हीन प्रयास किए गए हैं जिसे भारतीय नौसेना ने विफल कर दिया था। 19 जून 2011 और 26 जून 2011 की दो अगल-अगल घटनाओं में पुलीस ने गुजरात के तट पर सोमालियाई मूल के 32 व्यक्तियों समेत 38 व्यक्तियों को गिरफतार किया था, जिन से सम्बद्ध में एजेंसीयों ने पूछताछ की थी।

सरकार ने तटीय सुरक्षा सद्रढ बनाने के लिए कई उपाय आरंभ किए है जिनमें एकीकृत द्रष्टिकोण अपनाते हुए निगरानी तंत्र में सुधार करना और गठन को बढाना शामिल है। द्वीप समूही क्षेत्रों सहित तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए अपनाए गए द्रष्टिकोण की कारगरता की जांच करने के लिए नौसेना, तट रक्षक पुलीस, तटीय पुलीस, सीमा शुल्क और अन्यों के बीच नियमित आधार पर संयुक्त संक्रियात्मक अभ्यास किए जा रहे हैं।

संयुक्त संक्रियात्मक केन्द्रो और बहु-एजेंसी समन्वय तंत्र के गठन के माध्यम से आसूचना तंत्र को भी सरल और कारगर बनाया गया है। श्री अन्टनी ने और जानकारी दी की देश की संपूर्ण तट रेखा और द्वीपों को नियंत्रित करने के लिए रड़ारों की स्थापना करना भी इस प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंग है। भारतीय नौसेना और तट रक्षक, दोनों को, निगरानी बढाने और तट रेखा को सुरक्षित रखने के लिए समुचित रूप से सुसज्जित किया गया है। ऐसा मंत्रीजी ने गृह को आश्वासन दिया।

★ ★ ★